awaiting the supply of spare parts many of which are manufactured al Hindustan Aircraft Limited, al others are airworthy. Government art satisfied with the state of serviceability of the Vampir.es and the supply position of their spare parts.

SHRIMATI VIOLET ALVA: How many Vampires are out of use?

SHRI SATISH CHANDRA: I am unable to give the figures. It is difficult to do so in the interest of national security. But for the information of the hon. Member I may say that there are hardly one or two Vampires which are awaiting spare parts from the United Kingdom. I would add that she should not attach too much importance to news items appearing in the "Current".

SHRIMATI VIOLET ALVA: But do we not keep enough spare parts only here?

SHRI SATISH CHANDRA: Yes, as I have said, we have enough spare parts. We manufacture many spare parts in India. There are hardly one or two aircraft which are awaiting spare parts from the U. K.

DR. RAGHUBIR SINH: Do you begin manufacturing spare parts after the aircraft had gone out of action?

SHRI SATISH CHANDRA: That is not correct Sir. Vampires are in action and the hon. Member probably sees them sometimes flying over Delhi.

SHRI H. C. DASAPPA: How many are now in action?

SHRI SATISH CHANDRA: Most of them are in action.

SHRI H. C. DASAPPA: What is their total number?

SHRI SATISH CHANDRA: As I said, I cannot give the figures regarding the aircraft.

SHRIMATI VIOLET ALVA: At least the hon. Deputy Minister could tell us when they were purchased and through which agency.

SHRI SATISH CHANDRA: A lot of spare parts are manufactured in India at the Hindustan Aircraft Limited.

AID TO SOCIAL INSTITUTIONS AND AGENCIES IN MADHYA BHARAT

f*447. SHRI KRISHNAKANT VYAS: Will the Minister for EDUCATION be pleased to state the amounts of aid given by the Central Social Welfare Board to the various social welfare institutions and agencies in. Madhya Bharat till July 1954?

THE PARLIAMENTARY SECRETARY TO THE MINISTER FOR EDUCATION (DR. K. L. SHRIMALI): A slate-meat is placed on the Table of the House. *[See* Appendix VIII. Annexure No. 127.]

डाक्टर के० एल० श्रीमाली : स्टेटमेन्ट सभा के टेबुल पर रख दिया जायेगा ।

श्री कृष्ण कांत व्यास : क्या मैं यह जान सकता हूं कि किन किन संस्थाओं को यह सहायता दी गई है ?

डाक्टर के० एल० श्रीमाली : आप स्टेटमेन्ट में देख लीजिये ।

श्री कृष्णकांत व्यास : मुझे स्टेटमेन्ट अभी तक नहीं मिला ।

---

t Original notice in Hindi as below:

मध्य भारत की सामाजिक संस्थाओं और अभिकरणों को सहायता

*४४७. **श्री कृष्णकान्त व्यास** : क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि केन्द्रीय सामाजिक कल्याण मण्डली ने जुलाई १९५४ तक मध्य भारत की विभिन्न सामाजिक कल्याण संस्थाओं और अभिकरणों को कितनी राशि सहायता में दी ?

डाक्टर के० एल० श्रीमाली: आपको स्टेटमेंट मिल जाना चाहिये। अगर आप इजाजत दें तो मैं पढ़ सकता हूं किन्तु फेहरिस्त बहुत लम्बी है और समय बहुत लग जायेगा।

श्री कृष्णकांत व्यास: अट्ठारह दरख्वास्त में से कितनों को सहायता दी गई?

डाक्टर के० एल० श्रीमाली: दरख्वास्तें तो बहुत आई थीं किन्तु अट्ठारह ही को सहायता दी गई। It is a long list, Sir, of about eighteen institutions.

MR. CHAIRMAN: Yes, I have seen that

श्री कृष्णकांत व्यास: जिन संस्थाओं को सहायता नहीं दी गई, इसका कारण क्या है?

डाक्टर के० एल० श्रीमाली: मैं उन सभी कारणों को बता सकता हूं लेकिन उन सभी कारणों की व्याख्या करना संस्थाओं के हित में नहीं है।

श्री कन्हैयालाल डी० वैद्य: क्या मंत्री महोदय यह बतलाने की कृपा करेंगे कि जिन संस्थाओं को सहायता दी गई है, वह किन सिफारिशों पर दी गई है?

डाक्टर के० एल० श्रीमाली: जिन संस्थाओं को सहायता दी जाती है उनकी जांच की जाती है, रिपोर्ट मंगाई जाती है और राज्यों से भी पूछा जाता है।

श्री कन्हैयालाल डी० वैद्य: क्या मध्य भारत में सोशल वेलफेयर बोर्ड की कोई शाखा कायम की गई है?

डाक्टर के० एल० श्रीमाली: इस तरह की शाखायें सब जगह कायम की जा रही हैं।

श्री कन्हैयालाल डी० वैद्य: क्या मध्य भारत में कायम हो चुकी है?

डाक्टर के० एल० श्रीमाली: मध्य भारत के बारे में मैं सूचना नहीं दे सकता हूं किन्तु कई जगह कायम की गई हैं।

श्री कन्हैयालाल डी० वैद्य: यह जो सहायता दी गई है क्या बोर्ड के अभाव में व्यक्तिगत सिफारिश पर दी गई है।

डाक्टर के० एल० श्रीमाली: इन संस्थाओं की पूरी जांच पड़ताल की गई थी और उसके बाद ही सहायता दी गई है।

OPIUM SMUGGLERS

†*448. SHRI KRISHNAKANT WAS: Will the Minister for FINANCE be pleased to state the number of persons arrested duing the year 1953-54 for smuggling opium and the action taken against them?

THE DEPUTY MINISTER FOR FINANCE (SHRI A. C. GUHA): (a) statement giving the available information is laid on the Table of the House.

† Origin al notice in Hindi as below:

गैरकानूनी तौर से अफीम ले जाने वाले

*४४८. **श्री कृष्णकान्त व्यास:** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि १९५३-५४ में गैरकानूनी तौर पर अफीम ले जाने वाले कितने लोग पकड़े गये और उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई?